भागीदारों के साथ कार्य करना

बैंक का सम्बद्ध 236 क्षेत्रीय और वैश्विक भागीदारों से है।

देशों द्वारा भोगी जाने वाली बहुत सी समस्यायें सीमाओं को नहीं जानती हैं। इस कारण से, अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय ने एक स्वर में बीमारियों, पर्यावरण के अधोगति होने, व्यापार और ज्ञान प्रसार में रूकावटों के लिये संयुक्त कार्यवाही आरम्भ की है।
वैश्विक स्तर पर चुनी बातों में बैंक की विश्वव्यापी जन उपयोग की वस्तुओं के लिये प्राथमिकता झलकती है: फैलने वाली बीमारियाँ, पर्यावरण, व्यापार तथा एकीकरण, सूचना व ज्ञान, और अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय ढाँचा।
चाहे देशों में हो या क्षेत्रीय स्तर पर या फिर विश्व स्तर पर हो, विश्व बैंक अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं, धनदाताओं, निजी क्षेत्र, जन समाज, व्यावसायिक व्यक्तियों और शैक्षणिक समितियों आदि के साथ मिलकर कार्य करता है।

वैश्विक भागीदारी

ऑन्कोसेर्सियेसिस नियंत्रण कार्यक्रम (ओ सी पी) को विकास के छोटे इतिहास में सबसे सफल बहु-धनदाताओं की भागीदारी माना जाता है।

ऑन्कोसेर्सियेसिस नियंत्रण कार्यक्रम ने 11 देशों के 35 मिलियन लोगों में रिवरब्लाईडनेस के रोग को लगभग समाप्त कर दिया और उसका फैलना सफलतापूर्वक रोक दिया है। 1974 में यह बड़ी भागीदारी निर्मित हुई थी, आज ओ सी पी में 30 अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं। फार्मेसी कम्पनी मर्क तथा अन्य निजी कम्पनियाँ, 12 गैर सरकारी संस्थायें, 27 धनदाता, प्रायोजित करने वाली एजेन्सियाँ जैसे कि विश्व बैंक, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यु एच ओ), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू एन डी पी), और खाद्य एवं कृषि संगठन (फूड एण्ड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाईज़ेशन या एफ ए ओ) आदि। ओ सी पी ने न केवल अंधेपन के लगभग 600,000 मामले रोके, बल्कि उसने हज़ारों एकड़ कृषि भूमि इस बीमारी से मुक्त करायी।
संयुक्त वैश्विक कार्यवाही का एक अन्य उदाहरण अन्तर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान हेतु सलाह समूह (कन्सल्टेटिव ग्रुप फॉर इंटरनेशनल एग्रीकल्चर रिसर्च या सी जी आईए आर) है, जो कि अनुसंधान केन्द्रों का एक सघंटन है, जिसने पिछले 30 वर्षों में विकासशील देशों में फसल में सुधारों का सृजन व प्रसार किया है। इसका ग्राम्य गरीबी और पोषण पर दूरगामी प्रभाव होगा। इन केन्द्रों ने अनाज की 500 से अधिक प्रजातियाँ तैयार की हैं जो कि अब गरीब देशों में रोपी गई है और उनके द्वारा पिछले तीन दशकों में लक्षित अनाज की उपज मे औसत वृद्धि को 75 प्रतिशत बढ़ाने में मद्द की है।
भागीदारी में अन्य प्रमुख सम्मिलित :

- वैश्विक पर्यावरणीय सुविधा या ग्लोबल एन्वायर्नमेन्ट फैसिलिटी (जी ई एफ)
- वैश्विक जल भागीदारी या ग्लोबल वाटर पार्टनरशिप (जी डब्ल्यु पी)
- दि प्रोटोटाईप कार्बन फण्ड
- ग्लोबल एलायन्स फॉर वैक्सीन्स एण्ड इम्यूनाईज़ेशन (जी ए वी आई)
- संयुक्त राष्ट्र का एच आई वी/एड्स पर सामूहिक कार्यक्रम(यूएन एड्स)
- मलेरिया भगाओ

सन 2000 में मिलेनियम डेवेलपमेन्ट गोल्स(एम डी जी) की स्वीकृति अभी तक की सबसे बड़ी वैश्विक भागीदारी को दृढ़ता प्रदान करती है जो कि गरीबी, भूख, बीमारी कम करने तथा साक्षरता बढ़ाने के लिये सात विशिष्ट लक्ष्यों पर केन्द्रित है। आठवाँ ध्येय - ''विकास के लिये वैश्विक भागीदारी विकसित करना'' जो अन्य सात की प्राप्ति के लिए साधन खोजता है।
विकास हेतु वित्त पर, मार्च 2002 में मॉन्टेरी, मेक्सिको मे हुए सम्मेलन में, विकसित तथा विकासशील देशों के बीच एक नई भागीदारी के लिये यह सहमति बनी : विकासशील देश स्वयं के विकास कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी लें तथा उन नीतियों को ठीक करें जो कि एम डी जी के ध्येयों की प्राप्ति के लिये उनको सही रास्ते पर ला सकें, उभय पक्षीय तथा बहु पक्षीय एजेन्सियाँ एक साथ मिलकर सहयोग करें और गरीबी हटाने तथा विकास के लिये उपयुक्त वैश्विक वातावरण तैयार करें।

बैंक सभी के लिये शिक्षा की भागीदारी का एक हिस्सा है। एम डी जी के चारों तरफ वैश्विक पहल में उभरने वाली बात, सभी को शिक्षा (ई एफ ए) दिलाना है, अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय ने सेनेगल की अप्रैल 2000 की वर्ल्ड एज्यूकेशन फोरम में ''प्रत्येक समाज में प्रत्येक नागरिक'' को शिक्षा दिलाने का संकल्प लिया है। नवम्बर 2002 में धनदाता अफ्रीका, लैटिन अमरीका - बुर्किना फासो, गिनी, ग्याना, हान्डुरस, मोरिटेनिया, निकारागुआ, और नाईजर की शिक्षा योजनाओं को हकीकत में बदलने में सहायता करेंगे। अब इन देशों में आवश्यक क्षमता तैयार करने तथा वित्तीय साधनों की कमी, जो अगले तीन वर्षो (2003-2005) के लिये लगभग 400 मिलियन डॉलर अनुमानित की गई है, को पूरा करने का कार्य चल रहा है। 'सभी के लिये शिक्षा, तीव्र गति की पहल' द्वारा लाभ उठाने वाले ये देश विकासशील देशों में प्रथम देश समूह होंगे।

सात देशों की प्रथम लहर को वित्तीय सहायता द्वारा लगभग 4 मिलियन लड़कियों तथा लड़कों, जो कि आज प्राथमिक पाठशाला जाने में असमर्थ हैं, के शिक्षित होने में मदद मिलेगी। साथ ही, जो अन्यथा स्कूल छोड़ चुके होते उन्हें अब उनकी प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने का अवसर मिलेगा। वित्त पोषण से नये अध्यापकों को प्रशिक्षण, अध्यापकों का वेतन देने, नये स्कूल बनाने, शिक्षा प्रणाली को एच आई वी/एड्स के प्रति संवेदनशील बनाने, तथा सभी बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण प्राथमिक शिक्षा प्राप्त हो सके ऐसे अन्य कदम उठाने में लाभ मिलेगा। 'सभी को शिक्षा में भागीदारी' कार्यक्रम, राष्ट्रीय सरकारों, जन सामाजिक समूहों, तथा यूनेस्को और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं का एक विशाल गठजोड़ है।

सहायता का तालमेल करना

विश्व बैंक उभय पक्षीय तथा बहु पक्षीय धनदाताओं तथा विकासशील देशों के एक छोटे समूह के साथ मिलकर तालमेल में सुधार सहायता की नीतियों तथा व्यवहार में तालमेल करने के लिये कार्य कर रहा है।

लगभग 63,000 से अधिक धनदाताओं द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त विश्वव्यापी विकास परियोजनाओं में से प्रत्येक में अनगिनत माँगों, मार्गदर्शन तथा परियोजना की सुरक्षा हेतु बनायी प्रक्रियाएं हैं जिससे आश्वस्त हुआ जा सके कि गरीबों को सहायता मिलेगी।

- ***संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन में केवल बुर्किना फासो में 1,500 तथा कम से कम 850 परियोजनाओं को बोलीविया में लागू पाया गया।***

फिर भी कई पर्यावरणीय रिपोर्टे, परियोजनाओं के लेखा परीक्षण, तथा प्रत्येक धनदाता के लिए खरीदारी संबंधी आकलन, आदि बनाने में विकासशील देशों की सरकारें काफी बोझ महसूस करती हैं, जिनके संसाधन प्राय: पहले से ही सीमित होते हैं। उदाहरण के लिये,

- वियतनाम की एक वन परियोजना में पाँच वाहनों को खरीदने में, धनदाताओं को 18 माह का समय तथा 150 सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं लगी क्योंकि सहायता देने वाली एजेन्सियों के बीच खरीदारी की नीतियों पर मतभेद था।
- बोलीविया में पाँच धनदाता, घरों में गरीबी परिवर्तन के एक सर्वेक्षण पर जोर दे रहे थे, परन्तु प्रत्येक को अलग-अलग वित्तीय व तकनीकी रिपोर्ट की आवश्यकता थी। जिस सरकारी अधिकारी को यह परियोजना दी गई, उसने पाया कि सचमुच का सर्वेक्षण किये बिना ही उसने लगभग आधा समय केवल धनदाता की कागजी आवश्यकताओं को पूरा करने में बर्बाद कर दिया।
- तंजानिया में, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पाया कि सिर्फ परियोजनाओं की संख्या तथा अभियान को आरम्भ करने के लिये उनसे संलग्न माँगें ही उसकी प्रशासनिक क्षमता से बाहर थीं।

अनुभव द्वारा ज्ञात हुआ है कि विकासशील देशों में क्षमता को शीघ्र सुधारा तथा मज़बूत किया जा सकता है यदि धनदाता अपने क्रियाकलापों के बीच अच्छा तालमेल बैठाएं तथा अपनी प्रक्रिया को तर्कसंगत बनायें। जमैका, इथोपिया, और वियतनाम में परीक्षण कार्यक्रम आरम्भ कर दिये गए हैं।